भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3102

जिसका उत्तर 30.03.2022 को दिया जाना है

सड़क परियोजनाओं के कारण वृक्ष आच्छादित क्षेत्र में कमी

3102. श्री नीरज डांगी:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान सड़क परियोनजाओं के कारण कितना वृक्ष आच्छादित क्षेत्र समाप्त हो चुका है और कितने क्षेत्र को हानि होने का अनुमान है;

(ख) क्या इन सड़क परियोजनाओं के कारण पर्यावरण पर कोई व्यापक प्रभाव पड़ा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन परियोजनाओं के अंतर्गत हुई पेड़ों की कटाई की भरपाई के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) एक नीति के रूप में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए भूमि की सीमांत पट्टी में न्यूनतम संख्या में पेड़ काटे जाते हैं। कई बार, कम से कम पेड़ों को काटे जाने को सुनिश्चित करने के लिए मार्गाधिकार (आरओडब्ल्यू) को कम कर दिया जाता है। राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के कारण, अब तक पर्यावरण पर किसी बड़े प्रभाव की सूचना नहीं मिली है। पर्यावरण पर मामूली सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि काटे गए पेड़ों के बदले अधिक पेड़ लगाए जाते हैं। मंत्रालय ने यह भी फैसला लिया है कि पेड़ों की कटाई-छटाई के स्थान पर उनके प्रतिरोपण की तकनीक और विशेषज्ञता का इस्तेमाल किया जाए। यह काम प्रगति पर है।

(ग) काटे गए पेड़ों के बदले में लगाए गए पेड़ बहुत अधिक होते हैं। इसके अतिरिक्त, आरओडब्ल्यू और क्रॉस-सेक्शनल विन्यासीकरण की उपलब्धता के आधार पर राजमार्ग परियोजनाओं में मार्गों पर वृक्षारोपण और सड़क के मध्य वृक्षारोपण शामिल हैं।

*****